

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 05 भाग 12, (मई, 2026)
पृष्ठ संख्या 01-04



बोनसाई व्यवसाय में निवेश के लाभ और संभावनाएँ

साक्षी संतोष व्यास, अनिल कुमार सिंह, सुनिता
उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान,
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,
वाराणसी – 221005 (उत्तर प्रदेश), भारत।

Email Id: – sakshivyas@bhu.ac.in

बोनसाई की कला न केवल एक रुचि है, बल्कि यह एक अत्यधिक लाभकारी व्यवसाय का रूप भी बन चुका है। बीते कुछ वर्षों में, भारत में बोनसाई की लोकप्रियता में काफी तेजी से वृद्धि हुई है। इसके साथ

ही, कई लोग

इस क्षेत्र में निवेश

करने हेतु सोच रहे हैं। इस लेख में, हम बोनसाई, इसके व्यवसाय में निवेश के लाभ और संभावनाओं की गहराई से चर्चा की गई है।

बोनसाई की उत्पत्ति और महत्व

बोनसाई एक प्राचीन जापानी कला है जो बागवानी विधियों और तकनीकों का उपयोग करके बरतनों में छोटे कद के पेड़ पैदा करती है जो समय के साथ पूर्ण आकार के पेड़ों का आकार ले लेते हैं। 'बोनसाई' शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'एक कंटेनरधामले में लगाया गया पौधा। लगभग 3,000 साल पहले यिन और झोउ राजवंशों के

बाद से चीन में लोगों ने बगीचों के भीतर प्राकृतिक दृश्यों की नकल करने के लिए सजावटी पौधों की खेती की है – एक शिल्प जिसे पेनजिंग के नाम से जाना जाता है। वर्ष 700 ई.

तक चीनियों ने बरतनों में कम कद

के पेड़ों को

उगाने के

लिए

विशेष

तकनीकों का उपयोग करके 'पुन-साई' की कला शुरू कर दी थी।

व्यवसाय में निवेश के लाभ

1. उच्च लाभ की संभावना: बोनसाई पौधों की आय उनके आकार, उम्र, प्रकार आदि के अनुसार होती है। कुछ बोनसाई पौधे लाखों रुपये तक बिक सकते हैं। यदि आप उच्च गुणवत्ता वाले और दुर्लभ पौधों की खेती की जाए, तो यह लाभदायक और आसान हो सकता



है। एक अच्छी तरह से विकसित बोनसाई की कीमत उसके आकार और उम्र के अनुसार हजारों से लेकर लाखों रुपये तक हो सकती है।

2. बाजार की बढ़ती मांग : शहरों में जीवनशैली में बदलाव के कारण, लोग अपने घरों और कार्यस्थलों में हरियाली हेतु बोनसाई की ओर आकर्षित हो रहे हैं। शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण, छोटे पौधों की मांग बढ़ रही है। बोनसाई न केवल एक सजावटी वस्तु है, बल्कि यह वायु गुणवत्ता में सुधार करने का भी काम करता है।

3. कम निवेश की आवश्यकता : बोनसाई व्यवसाय में प्रारंभिक निवेश अपेक्षाकृत कम होता है। आपको बड़े बागान या बड़े स्थान की आवश्यकता नहीं होती है। आप अपने घर के छोटे से आँगन या गेराज में भी इस व्यवसाय की शुरुआत कर सकते हैं। इसके अलावा, बोनसाई पौधों की देखभाल के लिए आवश्यक उपकरण और सामग्री भी उपलब्ध और सस्ते होते हैं।

4. मानसिक संतोष : बोनसाई की देखभाल करना एक सृजनात्मक प्रक्रिया है। इसे उगाने और आकार देने की प्रक्रिया में समय बिताने से मानसिक संतोष भी मिलता है। यह एक प्रकार का अध्ययन भी होता है, जो तनाव को कम करने में मदद करता है। व्यवसाय के साथ-साथ, आप एक संतोषजनक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

5. अनुकूलनशीलता : बोनसाई व्यवसाय में विभिन्न प्रकार के पौधों का चयन किया जाता है। इसके अलावा, इसे विभिन्न आकारों, शैलियों और तकनीकों के माध्यम से अनुकूलित किया जा सकता है। यह व्यवसाय विभिन्न आयामों में प्रयोग करने की स्वतंत्रता देता है।

व्यवसाय की संभावनाएँ

1. निरंतर विकास : बोनसाई व्यवसाय में परस्पर निरंतर विकास की संभावनाएँ हैं। शहरीकरण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ने के

साथ, बोनसाई पौधों की मांग बढ़ती जा रही है। युवा पीढ़ी भी इस कला की ओर आकर्षित हो रही है, जिससे बाजार में नए ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है।

2. ऑनलाइन विपणन : वर्तमान में, डिजिटल मार्केटिंग ने व्यवसाय को नए आयाम दिए हैं। ग्राहक बोनसाई पौधों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे कि सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स वेबसाइटों और विशेष बागवानी फोरम के माध्यम से आदान-प्रदान कर सकते हैं। यह उत्पादों की पहुंच को बढ़ाने में मदद करता है।

3. प्रतियोगिताएँ और प्रदर्शनियाँ : बोनसाई प्रतियोगिताएँ और प्रदर्शनियाँ अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और अन्य कलाकारों से संपर्क करने का अवसर देती हैं। इससे व्यवसाय को नई पहचान मिलती है और ग्राहकों के साथ सीधे जुड़ने का मौका मिलता है।

4. शैक्षिक कार्यशालाएँ : बोनसाई की कला द्वारा कार्यशालाएँ आयोजित की जा सकती हैं। इससे न केवल अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, बल्कि यह व्यवसाय के लिए एक मार्केटिंग टूल के रूप में भी लाभदायक होगा जिससे लोग विशेषज्ञता को पहचानेंगे और आपके पौधों को खरीदने के लिए प्रेरित होंगे।

5. पर्यावरण संरक्षण : बोनसाई पौधे न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं, बल्कि ये पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद होते हैं। ये वायु को शुद्ध करते हैं और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। ऐसे समय में, जब लोग पर्यावरण की दिशा में अधिक जागरूक हो रहे हैं, बोनसाई व्यवसाय एक सकारात्मक दृष्टिकोण पेश करता है।

जापानी सफेद पाइन 11 करोड़ में बिका था

रिपोर्ट्स के अनुसार दुनिया का सबसे महंगा बोनसाई पेड़ सफेद पाइन (Pine) माना जाता है। इसे जापान के ताकामात्सु में अंतरराष्ट्रीय बॉसाई सम्मेलन में करीबन 11 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। इसकी ऊंचाई महज 2 फीट तक पाई गई है।

चुनौतियाँ

बोनसाई व्यवसाय में पाई जाने वाली चुनौतियाँ:

1. तकनीकी ज्ञान : बोनसाई की कला को सीखना समय और धैर्य मांगता है। इसमें पौधों की देखभाल, आकार देने की तकनीक और बाजार की मांग को समझना शामिल है। उचित प्रशिक्षण और अनुभव होना आवश्यक है।

2. जलवायु परिवर्तन : जलवायु परिवर्तन के कारण बोनसाई पौधों की स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। स्थानीय जलवायु के दृष्टिकोण को समझने की और इसके अनुसार पौधों की देखभाल करने की आवश्यकता है।

3. प्रतिस्पर्धा : बाजार में अन्य प्रतियोगियों की मौजूदगी व्यवसाय को चुनौती दे सकती है।



परतदार बीजों को खाद के मिश्रण पर बिखेर दे।



यदि बीज एक आवरण (जिन्कगो) द्वारा सुरक्षित है, तो इसे चिमटे से तोड़ दे।



बीजों को ढकने वाली खाद की गहराई बीजों के आकार पर निर्भर करती है।



आवरण को तोड़ने के बाद, बीजों को उनके सुरक्षात्मक आवरण से हटा दें।



बोने या पॉट करने के बाद, प्रोपेगेटर के प्लास्टिक कवर को वापस लगाएं।



मिनी-प्रोपेगेटर बोए गए बीजों या पॉटेड बोनसाई पौधों के लिए एक उत्कृष्ट कंटेनर होता है।



यहां एक कागज की डिस्क को नए बोए गए बीजों के बर्तन के ऊपर रख दे।



आवरण से हटा दिए जाने के बाद, बीजों को बोया जा सकता है।

2. वानस्पतिक प्रजनन द्वारा :

वानस्पतिक प्रजनन द्वारा बोनसाई के निर्माण के लिए कटिंग का मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है। यह सबसे सामान्य तरीके में से एक

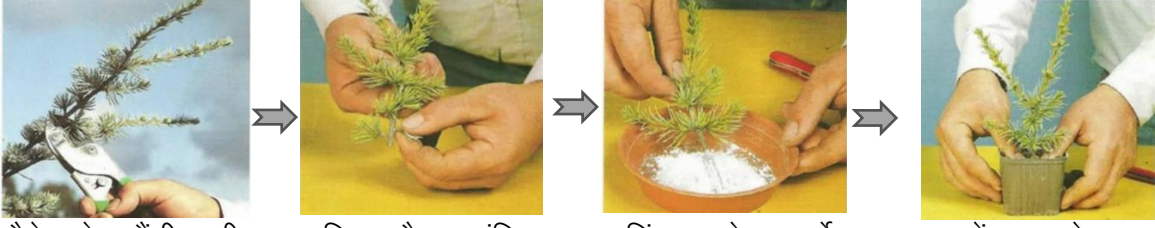
उत्पादों को अलग और अनूठा बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना आवश्यक है।

4. लंबी अवधि का निवेश : बोनसाई पौधों को आकार देने और विकसित करने में समय लगता है। इसलिए, धैर्य रखना और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना।

बोनसाई बनाने की स्थापना प्रक्रिया

1. बीजों द्वारा : बीज बोनसाई लगाने का सबसे आसान तरीका है। बीज मुख्य रूप से पतझड़ के मौसम में बोए जाते हैं। इस प्रकार के बोनसाई के लिए पौधों को लंबा समय लगता है, लेकिन बोनसाई को सबसे अच्छा आकार दिया जा सकता है।

है और आसानी से उपलब्ध भी है। इस विधि से पौधों की वृद्धि अन्य तरीकों की तुलना में तेजी से होती है। इसके अलावा, ग्राफिटिंग, बडिंग और लेयरिंग जैसी अन्य विधियाँ भी अपनाई जा सकती है।



पौधे से कैंची की मदद से एक कटिंग लें।

अधिक और अवांछित भागों को हटाकर कटिंग तैयार करें।

कटिंग को हार्मोन रूटिंग पाउडर में डुबोएं। इससे जड़ों का निकलने का मौका काफी बढ़ जाता है।

खाद में एक छोटा गड्ढा बनाकर कटिंग डालें। उसके चारों ओर खाद को अच्छी तरह से दबाएं। फिर अच्छी तरह से पानी दें।

बोन्साई बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली पौधों की सूची

शंकुधर वृक्ष (Conifer)	पर्णपाती वृक्ष	शोभाकारी झाड़ियाँ एवं वृक्ष
देवदार (Cedrus spp.)	ट्राइडेंट मेपल	अजेलिया (Azelia spp.)
सिल्वर फिर (Abies alba)	जापानी मेपल (Acer palmatum)	जापानी कैमेलिया (Camellia japonica)
फॉल्स साइप्रस (Chamaecyparis spp.)	काली बर्च (Betula nigra)	बान सेंगली (Crataegus spp.)
जापानी सीडर (Cryptomeria japonica)	लूज-फ्लॉवर हॉर्नबीम (Carpinus laxiflora)	चमेली (Jasminum nudiflorum)
चीनी जुनिपर (Juniperus chinensis)	जापानी बीच (Fagus crenata)	बुरांश (Rhododendron spp.)
निडल जुनिपर (Juniperus rigida var- nipponica)	मैडनहेयर (Ginkgo biloba)	जापानी खुबानी (Prunus mume)
स्पूस (Picea spp.)	नागासाकी क्रैब एप्पल (Prunus cerasifera)	बादाम (Japanese amygdalus)
जापानी सफेद पाइन (Pinus paviflora)	चीनी अल्म (Ulmus pavifolia)	जापानी चेरी (Prunus serrulat)
जापानी ब्लैक पाइन (Pinus thunbergii)	ग्रे बार्क अल्म (Zelkova serrata)	बोगनवेलिया (Bougainvillea spp.)
इंग्लिश यू या कॉमन यू (Taxus baccata)	क्विंस (Pseudocycdonia sinensis)	फाइकस (Ficus spp.)